



26/11/88

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—ज्योति (ii)

PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्रांगनकरण से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 300]

No. 300]

नई विल्ली, भृहस्पतिवार, जून 9, 1988/ज्येष्ठ 19, 1910

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 9, 1988/JYAISTHA 19, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी आवृत्ति है जिससे कि यह अलग संकलन के क्षम में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई विल्ली, 9 जून, 1988

प्रधिकूचना

भाष्य-कार

का.पा. 557(प). —केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, भाष्य-कार प्रधिकूचन, 1981 (1981 का 43) की धारा 295 द्वारा प्रवत्त विधियों का प्रबोल
करते हुए, भाष्य-कार नियम, 1982 का और संसोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, प्रथम:—

1. (1) इन विधियों का संधिकार नाम भाष्य-कार (भीष्म संसोधन) नियम, 1988 है।

(2) ये 1 जून, 1988 को प्रदृश्ट हुए समझे जाएंगे।

2. भाष्य-कार नियम, 1982 में,—

(1) भाग 6 के पश्चात् निम्नलिखित भाग अंतःस्थापित किया जाएगा, प्रथम:—

“भाग 8क

लोक पर कर का संग्रहण

37ग. धारा 206ग (1) के अधीन स्रोत पर कर का संग्रहण न किए जाने के लिए प्रमाणपत्र—

(1) निर्वाचित प्रधिकारी द्वारा इस भाष्य का विद्या जाने वाला प्रमाणपत्र यि धारा 206ग की उपधारा (1) की सारणी में विविष्ट किसी
मान का, बस्तुओं या भीजों के विनिर्माण, प्रसंस्करण या उत्पादन के प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जाना है और एकमात्रिक प्रयोजनों के
लिए नहीं, प्रकर सं. 27ग में होता।

(2) उपनियम (1) के प्रधीन दिया गया प्रमाणपत्र ऐसी प्रवधि के लिए (जो प्रमाणपत्र की तारीख से एक वर्ष से प्रधिक नहीं होगी) विधिमान्य होगा जो निर्धारण प्रधिकारी उसमें विनिविष्ट करे, जब तक कि वह विनिर्दिष्ट प्रवधि की समाप्ति के पूर्व, किसी समय उसके द्वारा रद्द नहीं कर दिया जाता है।

(3) नए प्रमाणपत्र के लिए आवेदन, यदि अपेक्षा की जाए तो, दूर्वल प्रमाणपत्र की विधिमान्यता की प्रवधि की समाप्ति के पश्चात् किया जा सकेगा।

(4) प्रमाणपत्र उसमें नामित व्यक्ति के लिए ही विधिमान्य होगा।

377. धारा 206ग (5) के प्रधीन स्रोत पर कर के संग्रहण के लिए प्रमाणपत्र ---

धारा 206ग की उपधारा (5) के प्रधीन स्रोत पर कर का संग्रहण करने वाले किसी व्यक्ति द्वारा दिया जाने वाला प्रमाणपत्र, रूप सं. 27ग में होगा।"

(2) परिविष्ट 2 में, प्रलूप सं. 27ग के पश्चात् निम्नलिखित प्रलूप अंतः स्वाप्ति लिए जाएंगे, प्रतीतः---

'प्रलूप सं. 27ग

(नियम 377 द्वितीय)

आपकर प्रधिनियम की धारा 206ग की उपधारा (1) के वरन्तुक के प्रधीन प्रमाणपत्र

आपकर कार्यालय

प्रमाणपत्र सं.....

सेवा में,

तारीख 19

.....
(विकेता का नाम और पता)

मे.
(फेता का नाम और पता)

.....
(केता का स्वायी जाता संचाक)

ने इस आशय का आवेदन किया है कि.....

(धारा 206ग की उपधारा (1) की सारणी में निर्दिष्ट माल की प्रकृति)

का वस्तुओं या जीजों के* विनिर्माण/प्रसंस्करण/उत्पादन के प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जाना है और व्यावसायिक प्रयोजनों के लिए नहीं।

2. और मेरे सर्वोत्तम विश्वास के अनुसार..... का वस्तुओं
(उक्त माल की प्रकृति)

या जीजों के* विनिर्माण/प्रसंस्करण/उत्पादन के प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जाना है और व्यावसायिक प्रयोजनों के लिए नहीं।

3. मैं आपको पैरा 2 में विनिर्दिष्ट माल के संबंध में धारा 206ग की उपधारा (1) के अधीन स्रोत पर कर का संग्रहण न करने लिए प्राविहित करता हूं।

4. यह प्रमाणपत्र तक प्रभुत रहेगा जब तक कि वह, उक्त तारीख के पूर्व, आपको सूचना देता हुआ, मेरे द्वारा रद्द नहीं कर दिया जाता है।

निर्धारण प्रधिकारी

* जो जागू म हो उसे काट दीजिए।

प्रकल्प सं. 27व

(नियम 32व वेदिष्ट)

आजकर अधिनियम, 1961 की धारा 206A की उपधारा (5) के अधीन सौत पर कर की कटौती का प्रमाणपत्र।

देखा गया,

प्रमाणपत्र सं.....

(केता का नाम और पता)

महाविद्य,

मैं/हम प्रमाणित करता हूँ/करते हैं कि की राशि, धारा

206A के अधीनों के अनुसार सौत पर संगृहीत की गई है जिसका व्यौरा नीचे दिया गया है :

*धारा 206A (1) को सारणी में निर्विष्ट माल की केता द्वारा संवेद्य रकम (रु.)	दर जिस कर के रूप में चित्र अधिनियम, संगृहीत रकम 1988 की धारा 206A के अनुसार (स्तर 4 धन गया संगृहीत किया (रु.) 2(6) के अनुसार (स्तर 4 धन गया संगृहीत स्तर 5) अधिनार
--	--

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
(i) भारत के उपभोग के लिए एल्को-हाइड्रोलिकर (भारत में बनी विदेशी शराब से दिल)						
(ii) बन पट्टे के अधीन अधिप्राप्त काल						
(iii) बन पट्टे के अधीन से दिल किसी भी डंग से अधिप्राप्त काल						
(iv) कोई अन्य वनोत्पाद जो काल नहीं है।						

सौत पर संगृहीत कर की रकम का को केन्द्रीय सरकार के आते में संदाय कर दिया गया है
(तारीख)

सौत पर कर का संग्रहण करने के लिए उत्तरवायी व्यक्ति के हस्ताक्षर (केता)

स्थायी लेका संचालक (यदि कोई हो)

*जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

ठिकाना: 1. प्रवागरत्र, केन्द्रीय सरकार, किसी राज्य सरकार, स्थानीय प्राधिकारी, निगम या प्राधिकरण द्वारा जो केन्द्रीय, राज्य या प्रातीय अधिनियम द्वारा या उसके अंतर्भूत स्वरूप दिया गया है, प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित होता।

2. किसी कोटी या कर्म को व्या में, प्रमाणपत्र, कोटी के प्रधान अधिकारी या कर्म के भागीदार द्वारा हस्ताक्षरित होता।

[सं. 8001/फा. सं. 142/8/88-टीपीएल]

विजय मासुर, सचिव

MINISTRY OF FINANCE
DEPARTMENT OF REVENUE
CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 9th June, 1988

NOTIFICATION

INCOME-TAX

S.O. 557(E):—In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:—

- (1) These rules may be called the Income-tax (Fourth Amendment) Rules, 1988.

- (2) They shall be deemed to come into force on the 1st day of June, 1988.
2. In the Income-tax Rules, 1962,—
- (1) after Part VI, the following Part shall be inserted, namely:—

"PART VIA"

COLLECTION OF TAX AT SOURCE

37C. Certificate for no collection of tax at source under section 206C (1)

- 37C. (1) The certificate to be given by the Assessing Officer to the effect that any of the goods referred to in the Table in sub-section (1) of section 206C are to be utilised for the purposes of manufacturing, processing or producing articles or things and not for trading purposes shall be in Form No. 27C.
- (2) The certificate given under sub-rule (1) shall be valid for such period (not exceeding one year from the date of certificate) as the Assessing Officer may specify therein, unless it is cancelled by him at any time before the expiry of the specified period.
- (3) An application for a fresh certificate may be made, if required, after the expiry of the period of validity of the earlier certificate.
- (4) The certificate shall be valid only for the person named therein.

Certificate for collection of tax at source under section 206C (5).

- 37D. (1) The certificate to be furnished by any person collecting tax at source under sub-section (5) of section 206C shall be in Form No. 27D.";
- (2) In Appendix II, after Form No. 27B, the following Forms shall be inserted, namely:—

"Form No. 27C

(See rule 37C)

Certificate under proviso to sub-section (1) of section 206C of the Income-tax Act, 1961.

Income-tax Office,

Certificate No. _____

Date _____ 19____

To

_____ (Name and address of the seller)

Whereas M/s. _____

_____ (Name and address of the buyer)

_____ (Permanent Account Number of the buyer)

has made an application to the effect that

(Nature of goods referred to in the Table in sub-section (1) of section 206C)

is to be utilised for the purpose of *manufacturing/processing/producing articles or things and not for trading purposes;

2. And whereas to the best of my belief the _____ is to be utilised for the purpose of *manufacturing/processing/producing articles or things and not for trading purposes.

(Nature of the said goods)

3. I hereby authorise you not to collect tax at source under sub-section (1) of section 206C in respect of goods specified in paragraph 2.

4. This certificate shall remain in force upto _____ unless it is cancelled by me under intimation to you, before that date.

Assessing Officer,

*Strike out whichever is not applicable.

Form No. 27D

(See rule 37D)

Certificate of collection of tax at source under sub-section (5) of section 206C of the Income-tax Act.

Certificate No. _____

To

(Name and address of buyer)

Sir,

I/We _____ hereby certify that a sum of Rs. _____ has been collected at source in accordance with the provisions of section 206C as per details given below:—

*Nature of goods referred to in Table in section 206C(1)	Amount payable by buyer (Rs.)	Rate at which tax collected	Amount collected as tax (Rs.)	Surcharge collected as per section 2(6) of the Finance Act, 1988	total tax collected (Col. 4 plus Col. 5)	Date of collection of tax
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
(i) Alcoholic liquor for human consumption (other than Indian-made foreign liquor)						
(ii) Timber obtained under a forest lease						
(iii) Timber obtained by any mode other than under a forest lease						
(iv) Any other forest produce not being timber						

The amount of tax collected at source has been paid to the credit of the Central Government on _____

Signature of person responsible for collecting tax at source
(Seller)

P A No (if any) _____

*Strike out whichever is not applicable

- Notes :— 1. The Certificate is to be signed by a person authorised by the Central Government, any State Government, local authority, corporation or authority established by or under a Central, State or Provincial Act.
2. In case of a company or firm the Certificate is to be signed by the Principal Officer of the Company or partner of a firm respectively".

[No. 8001/F.No. 142/8/88-TP]

VIJAY MATHUR, Secy.

